**---無上甚深微妙法，百千萬劫難遭遇，我今見聞得受持，願解如來真實義。---**

**藥師琉璃光如來本願功德經(藥師經)**

**弟子：　　　　　　　　　　　　　　　第　　　遍於民國　　年　　月　　日抄誦**

## 1.([本段白話註解](../law-book/藥師本願經講記.docx#a1))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 如 | 是 | 我 | 聞 | ： | 一 | 時 | 薄 | 伽 | 梵 | ， | 遊 | 化 | 諸 | 國 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 至 | 廣 | 嚴 | 城 | ， | 住 | 樂 | 音 | 樹 | 下 | 。 | 與 | 大 | 比 | 丘 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 八 | 千 | 人 | 俱 | 。 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | 三 | 萬 | 六 | 千 | ， | 及 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 國 | 王 | 、 | 大 | 臣 | 、 | 婆 | 羅 | 門 | 、 | 居 | 士 | 、 | 天 | 龍 | 八 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 部 | 、 | 人 | 、 | 非 | 人 | 等 | ， | 無 | 量 | 大 | 眾 | ， | 恭 | 敬 | 圍 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 繞 | ， | 而 | 為 | 說 | 法 | 。 | 爾 | 時 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | 法 | 王 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 子 | ， | 承 | 佛 | 威 | 神 | ， | 從 | 座 | 而 | 起 | ， | 偏 | 袒 | **一** | 肩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 右 | 膝 | 著 | 地 | ， | 向 | 薄 | 伽 | 梵 | ， | 曲 | 躬 | 合 | 掌 | 白 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 言 | ： | 『 | 世 | 尊 | ！ | 惟 | 願 | 演 | 說 | 如 | 是 | 相 | 類 | 諸 | 佛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 名 | 號 | ， | 及 | 本 | 大 | 願 | 殊 | 勝 | 功 | 德 | ， | 令 | 諸 | 聞 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 業 | 障 | 銷 | 除 | ， | 為 | 欲 | 利 | 樂 | 像 | 法 | 轉 | 時 | 諸 | 有 | 情 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 故 | 。 | 』 | 爾 | 時 | ， | 世 | 尊 | 讚 | 曼 | 殊 | 室 | 童 | 子 | 言 | ： |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 『 | 善 | 哉 | ！ | 善 | 哉 | ！ | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 汝 | 以 | 大 | 悲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 勸 | 請 | 我 | 說 | 諸 | 佛 | 名 | 號 | ， | 本 | 願 | 功 | 德 | ， | 為 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 拔 | 業 | 障 | 所 | 纏 | 有 | 情 | ， | 利 | 益 | 安 | 樂 | 像 | 法 | 轉 | 時 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 有 | 情 | 故 | 。 | 汝 | 今 | 諦 | 聽 | ！ | 極 | 善 | 思 | 惟 | ！ | 當 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 為 | 汝 | 說 | 。 | 』 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | 言 | ： | 「 | 惟 | 然 | ， | 願 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 說 | ！ | 我 | 等 | 樂 | 聞 | ！ | 」 | 佛 | 告 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ： | 「 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 東 | 方 | 去 | 此 | ， | 過 | 四 | 殑 | 伽 | 沙 | 等 | 佛 | 土 | ， | 有 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | 名 | 曰 | 淨 | 琉 | 璃 | ， | 佛 | 號 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 應 | 、 | 正 | 等 | 覺 | 、 | 明 | 行 | 圓 | 滿 | 、 | 善 | 逝 | 、 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 間 | 解 | 、 | 無 | 上 | 士 | 、 | 調 | 御 | 丈 | 夫 | 、 | 天 | 人 | 師 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 佛 | 、 | 薄 | 伽 | 梵 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 2.([本段白話註解](../law-book/藥師本願經講記.docx#a2))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 本 | 行 | 菩 | 薩 | 道 | 時 | ， | 發 | 十 | 二 | 大 | 願 | ， | 令 | 諸 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 情 | ， | 所 | 求 | 皆 | 得 | 。 | 』 | 『 | 第 | 一 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 來 | 世 | ， | 得 | 耨 | 多 | 羅 | 三 | 藐 | 三 | 菩 | 提 | 時 | ， | 自 | 身 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 光 | 明 | 熾 | 然 | 照 | 耀 | 無 | 量 | 無 | 盡 | 邊 | 世 | 界 | ， | 以 | 三 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 十 | 二 | 大 | 丈 | 夫 | 相 | ， | 八 | 十 | 隨 | 形 | 莊 | 嚴 | 其 | 身 | ； |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 令 | 一 | 切 | 有 | 情 | 如 | 我 | 無 | 異 | 。 | 』 | 『 | 第 | 二 | 大 | 願 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ： | 願 | 我 | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 身 | 如 | 琉 | 璃 | ， | 內 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 外 | 明 | 徹 | ， | 淨 | 無 | 瑕 | 穢 | ； | 光 | 明 | 廣 | 大 | ， | 功 | 德 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 巍 | 巍 | ， | 身 | 善 | 安 | 住 | ， | 燄 | 網 | 莊 | 嚴 | 過 | 於 | 日 | 月 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ； | 幽 | 冥 | 眾 | 生 | ， | 悉 | 蒙 | 開 | 曉 | ， | 隨 | 意 | 所 | 趣 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 作 | 諸 | 事 | 業 | 。 | 』 | 『 | 第 | 三 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 | 來 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 以 | 無 | 量 | 無 | 邊 | 智 | 慧 | 方 | 便 | ， | 令 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 有 | 情 | 皆 | 得 | 無 | 盡 | 所 | 受 | 用 | 物 | ， | 莫 | 令 | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 有 | 所 | 乏 | 少 | 。 | 』 | 『 | 第 | 四 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 | 來 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 若 | 諸 | 有 | 情 | 行 | 邪 | 道 | 者 | ， | 悉 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 令 | 安 | 住 | 菩 | 提 | 道 | 中 | ； | 苦 | 行 | 聲 | 聞 | 獨 | 覺 | 乘 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 皆 | 以 | 大 | 乘 | 而 | 安 | 立 | 。 | 』 | 『 | 第 | 五 | 大 | 願 | ： |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 願 | 我 | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 | ， | 若 | 有 | 無 | 量 | 無 | 邊 | 有 | 情 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 於 | 我 | 法 | 中 | 修 | 行 | 梵 | 行 | ， | 一 | 切 | 皆 | 令 | 得 | 不 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 缺 | 戒 | 、 | 具 | 三 | 聚 | 戒 | ； | 設 | 有 | 毀 | 犯 | ， | 聞 | 我 | 名 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 已 | 還 | 得 | 清 | 淨 | ， | 不 | 墮 | 惡 | 趣 | ！ | 』 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 3.([本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a3)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 第 | 六 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 若 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 有 | 情 | ， | 其 | 身 | 下 | 劣 | ， | 諸 | 根 | 不 | 具 | ， | 醜 | 陋 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 頑 | 愚 | 、 | 盲 | 、 | 聾 | 、 | 瘖 | 、 | 啞 | 、 | 攣 | 躄 | 、 | 背 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 僂 | 、 | 白 | 癩 | 、 | 顛 | 狂 | 、 | 種 | 種 | 病 | 苦 | ； | 聞 | 我 | 名 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 已 | ， | 一 | 切 | 皆 | 得 | 端 | 正 | 黠 | 慧 | ， | 諸 | 諸 | 根 | 完 | 具 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 無 | 諸 | 疾 | 苦 | 。 | 』 | 『 | 第 | 七 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 | 來 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 若 | 諸 | 有 | 情 | 眾 | 病 | 逼 | 切 | ， | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 救 | 無 | 歸 | ， | 無 | 醫 | 無 | 藥 | ， | 無 | 親 | 無 | 家 | ， | 貧 | 窮 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 多 | 苦 | ； | 我 | 之 | 名 | 號 | 一 | 經 | 其 | 耳 | ， | 眾 | 病 | 悉 | 除 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 身 | 心 | 安 | 樂 | ， | 家 | 屬 | 資 | 具 | 悉 | 皆 | 豐 | 足 | ， | 乃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 至 | 證 | 得 | 無 | 上 | 菩 | 提 | 。 | 』 | 『 | 第 | 八 | 大 | 願 | ： | 願 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 若 | 有 | 女 | 人 | 為 | 女 | 百 | 惡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 之 | 所 | 逼 | 惱 | ， | 極 | 生 | 厭 | 離 | ， | 願 | 捨 | 女 | 身 | ； | 聞 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 名 | 已 | ， | 一 | 切 | 皆 | 得 | 轉 | 女 | 成 | 男 | ， | 具 | 丈 | 夫 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 相 | ， | 乃 | 至 | 證 | 得 | 無 | 上 | 菩 | 提 | 。 | 』 | 『 | 第 | 九 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 願 | ： | 願 | 我 | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 令 | 諸 | 有 | 情 | 出 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 魔 | 罥 | 網 | ， | 解 | 脫 | 一 | 切 | 外 | 道 | 纏 | 縛 | ； | 若 | 墮 | 種 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 種 | 惡 | 見 | 稠 | 林 | ， | 皆 | 當 | 引 | 攝 | 置 | 於 | 正 | 見 | ， | 漸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 漸 | 令 | 修 | 習 | 諸 | 菩 | 薩 | 行 | ， | 速 | 證 | 無 | 上 | 正 | 等 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 提 | ！ | 』 | 『 | 第 | 十 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 時 | ， | 若 | 諸 | 有 | 情 | 王 | 法 | 所 | 加 | ， | 縛 | 錄 | 鞭 | 撻 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 繫 | 閉 | 牢 | 獄 | ， | 或 | 當 | 刑 | 戮 | ， | 及 | 餘 | 無 | 量 | 災 | 難 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 凌 | 辱 | ， | 悲 | 愁 | 煎 | 逼 | ， | 身 | 心 | 受 | 苦 | ； | 若 | 聞 | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 名 | ， | 以 | 我 | 福 | 德 | 威 | 神 | 力 | 故 | ， | 皆 | 得 | 解 | 脫 | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 切 | 憂 | 苦 | ！ | 』 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 4.([本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a4)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 第 | 十 | 一 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 若 | 諸 | 有 | 情 | 饑 | 渴 | 所 | 惱 | ， | 為 | 求 | 食 | 故 | 造 | 諸 | 惡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 業 | ； | 得 | 聞 | 我 | 名 | ， | 專 | 念 | 受 | 持 | ， | 我 | 當 | 先 | 以 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 上 | 妙 | 飲 | 食 | 飽 | 足 | 其 | 身 | ， | 後 | 以 | 法 | 味 | 畢 | 竟 | 安 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 樂 | 而 | 建 | 立 | 之 | 。 | 』 | 『 | 第 | 十 | 二 | 大 | 願 | ： | 願 | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 來 | 世 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 若 | 諸 | 有 | 情 | 貧 | 無 | 衣 | 服 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 蚊 | 虻 | 寒 | 熱 | ， | 晝 | 夜 | 逼 | 惱 | ； | 若 | 聞 | 我 | 名 | ， | 專 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 念 | 受 | 持 | ， | 如 | 其 | 所 | 好 | 即 | 得 | 種 | 種 | 上 | 妙 | 衣 | 服 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 亦 | 得 | 一 | 切 | 寶 | 莊 | 嚴 | 具 | ， | 華 | 鬘 | 、 | 塗 | 香 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 鼓 | 樂 | 眾 | 伎 | ， | 隨 | 心 | 所 | 翫 | ， | 皆 | 令 | 滿 | 足 | 。 | 』 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 『 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 是 | 為 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 光 | 如 | 來 | 、 | 應 | 、 | 正 | 等 | 覺 | 行 | 菩 | 薩 | 道 | 時 | ， | 所 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 發 | 十 | 二 | 微 | 妙 | 上 | 願 | 。 | 』 | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 利 | ！ | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 行 | 菩 | 薩 | 道 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 所 | 發 | 大 | 願 | ， | 及 | 彼 | 佛 | 土 | 功 | 德 | 莊 | 嚴 | ， | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 若 | 一 | 劫 | 、 | 若 | 一 | 劫 | 餘 | ， | 說 | 不 | 能 | 盡 | 。 | 』 | 『 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 然 | 彼 | 佛 | 土 | ， | 一 | 向 | 清 | 淨 | ， | 無 | 有 | 女 | 人 | ， | 亦 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 亦 | 惡 | 趣 | ， | 及 | 苦 | 音 | 聲 | ； | 琉 | 璃 | 為 | 地 | ， | 金 | 繩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | 道 | ， | 城 | 、 | 闕 | 、 | 宮 | 、 | 閣 | 、 | 軒 | 、 | 窗 | 、 | 羅 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 網 | ， | 皆 | 七 | 寶 | 成 | ； | 亦 | 如 | 西 | 方 | 極 | 樂 | 世 | 界 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 功 | 德 | 莊 | 嚴 | ， | 等 | 無 | 差 | 別 | 。 | 』 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 5.([本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a5)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 於 | 其 | 國 | 中 | ， | 有 | 二 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ： | 一 | 名 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 日 | 光 | 遍 | 照 | ， | 二 | 名 | 月 | 光 | 遍 | 照 | 。 | 是 | 彼 | 無 | 量 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 無 | 數 | 菩 | 薩 | 眾 | 之 | 上 | 首 | ， | 次 | 補 | 佛 | 處 | ， | 悉 | 能 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 持 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 正 | 法 | 寶 | 藏 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 』 | 『 | 是 | 故 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 諸 | 有 | 信 | 心 | 善 | 男 | 子 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 善 | 女 | 人 | ， | 應 | 當 | 願 | 生 | 彼 | 佛 | 世 | 界 | 。 | 』 | 爾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 時 | ， | 世 | 尊 | 復 | 告 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | 童 | 子 | 言 | ： | 『 | 曼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 殊 | 室 | 利 | ! | 有 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 不 | 識 | 善 | 惡 | ， | 惟 | 懷 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 貪 | 吝 | ， | 不 | 知 | 布 | 施 | 及 | 施 | 果 | 報 | ， | 愚 | 癡 | 無 | 智 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 闕 | 於 | 信 | 根 | ， | 多 | 聚 | 財 | 寶 | ， | 勤 | 加 | 守 | 護 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 見 | 乞 | 者 | 來 | ， | 其 | 心 | 不 | 喜 | ， | 設 | 不 | 獲 | 已 | 而 | 行 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 施 | 時 | ， | 如 | 割 | 身 | 肉 | ， | 深 | 生 | 痛 | 惜 | 。 | 復 | 有 | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 量 | 堅 | 貪 | 有 | 情 | ， | 積 | 集 | 資 | 財 | ， | 於 | 其 | 自 | 身 | 尚 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 不 | 受 | 用 | ， | 何 | 況 | 能 | 與 | 父 | 母 | 、 | 妻 | 子 | 、 | 奴 | 婢 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 作 | 使 | ， | 及 | 來 | 乞 | 者 | ？ | 彼 | 諸 | 有 | 情 | ， | 從 | 此 | 命 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 終 | 生 | 餓 | 鬼 | 界 | ， | 或 | 傍 | 生 | 趣 | 。 | 由 | 昔 | 人 | 間 | 曾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 得 | 暫 | 聞 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 故 | ， | 今 | 在 | 惡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 趣 | ， | 暫 | 得 | 憶 | 念 | 彼 | 如 | 來 | 名 | ， | 即 | 於 | 念 | 時 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 從 | 彼 | 處 | 沒 | ， | 還 | 生 | 人 | 中 | ； | 得 | 宿 | 命 | 念 | ， | 畏 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 惡 | 趣 | 苦 | ， | 不 | 樂 | 欲 | 樂 | ， | 好 | 行 | 惠 | 施 | ， | 讚 | 歎 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 施 | 者 | ， | 一 | 切 | 所 | 有 | 悉 | 無 | 貪 | 惜 | ， | 漸 | 次 | 尚 | 能 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 以 | 頭 | 目 | 手 | 足 | 血 | 肉 | 身 | 分 | 施 | 來 | 求 | 者 | ， | 況 | 餘 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 財 | 物 | ？ | 』 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 6.([本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a6)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 若 | 諸 | 有 | 情 | ， | 雖 | 於 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 來 | 受 | 諸 | 學 | 處 | ， | 而 | 破 | 尸 | 羅 | ； | 有 | 雖 | 不 | 破 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 尸 | 羅 | 而 | 破 | 軌 | 則 | ； | 有 | 於 | 尸 | 羅 | 、 | 軌 | 則 | ， | 雖 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 則 | 不 | 壞 | ， | 然 | 毀 | 正 | 見 | ； | 有 | 雖 | 不 | 毀 | 正 | 見 | 而 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 棄 | 多 | 聞 | ， | 於 | 佛 | 所 | 說 | 契 | 經 | 深 | 義 | 不 | 能 | 解 | 了 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ； | 有 | 雖 | 多 | 聞 | 而 | 增 | 上 | 慢 | ， | 由 | 增 | 上 | 慢 | 覆 | 蔽 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 心 | 故 | ， | 自 | 是 | 非 | 他 | ， | 嫌 | 謗 | 正 | 法 | ， | 為 | 魔 | 伴 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 黨 | 。 | 如 | 是 | 愚 | 人 | ， | 自 | 行 | 邪 | 見 | ， | 復 | 令 | 無 | 量 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 俱 | 胝 | 有 | 情 | ， | 墮 | 大 | 險 | 坑 | 。 | 此 | 諸 | 有 | 情 | ， | 應 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 地 | 獄 | 、 | 傍 | 生 | 、 | 鬼 | 趣 | 流 | 轉 | 無 | 窮 | 。 | 若 | 得 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 聞 | 此 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 便 | 捨 | 惡 | 行 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 修 | 諸 | 善 | 法 | ， | 不 | 墮 | 惡 | 趣 | ； | 設 | 有 | 不 | 能 | 捨 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 惡 | 行 | 、 | 修 | 行 | 善 | 法 | ， | 墮 | 惡 | 趣 | 者 | ， | 以 | 彼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 來 | 本 | 願 | 威 | 力 | 令 | 其 | 現 | 前 | ， | 暫 | 聞 | 名 | 號 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 從 | 彼 | 命 | 終 | 還 | 生 | 人 | 趣 | ， | 得 | 正 | 見 | 精 | 進 | ， | 善 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 調 | 意 | 樂 | ， | 便 | 能 | 捨 | 家 | 趣 | 於 | 非 | 家 | ， | 如 | 來 | 法 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 中 | ， | 受 | 持 | 學 | 處 | 無 | 有 | 毀 | 犯 | ， | 正 | 見 | 多 | 聞 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 解 | 甚 | 深 | 義 | ， | 離 | 增 | 上 | 慢 | ， | 不 | 謗 | 正 | 法 | ， | 不 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 為 | 魔 | 伴 | ， | 漸 | 次 | 修 | 行 | 諸 | 菩 | 薩 | 行 | ， | 速 | 得 | 圓 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 滿 | 。 | 』 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 7.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a7)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 若 | 諸 | 有 | 情 | 慳 | 貪 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 嫉 | 妒 | ， | 自 | 讚 | 毀 | 他 | ， | 當 | 墮 | 三 | 惡 | 趣 | 中 | ， | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 量 | 千 | 歲 | 受 | 諸 | 劇 | 苦 | ！ | 受 | 劇 | 苦 | 已 | ， | 從 | 彼 | 命 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 終 | ， | 來 | 生 | 人 | 間 | ， | 作 | 牛 | 、 | 馬 | 、 | 駝 | 、 | 驢 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 恆 | 被 | 鞭 | 撻 | ， | 饑 | 渴 | 逼 | 惱 | ， | 又 | 常 | 負 | 重 | 隨 | 路 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 而 | 行 | 。 | 或 | 得 | 為 | 人 | ， | 生 | 居 | 下 | 賤 | ， | 作 | 人 | 奴 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 婢 | ， | 受 | 他 | 驅 | 役 | ， | 恆 | 不 | 自 | 在 | 。 | 若 | 昔 | 人 | 中 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 曾 | 聞 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 由 | 此 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 善 | 因 | ， | 今 | 復 | 憶 | 念 | ， | 至 | 心 | 歸 | 依 | 。 | 以 | 佛 | 神 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 力 | ， | 眾 | 苦 | 解 | 脫 | ， | 諸 | 根 | 聰 | 利 | ， | 智 | 慧 | 多 | 聞 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 恆 | 求 | 勝 | 法 | ， | 常 | 遇 | 善 | 友 | ， | 永 | 斷 | 魔 | 罥 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 破 | 無 | 明 | 殼 | ， | 竭 | 煩 | 惱 | 河 | ， | 解 | 脫 | 一 | 切 | 生 | 老 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 病 | 死 | 憂 | 悲 | 苦 | 惱 | 。 | 』 | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ！ | 若 | 諸 | 有 | 情 | 好 | 喜 | 乖 | 離 | ， | 更 | 相 | 鬥 | 訟 | ， | 惱 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 亂 | 自 | 他 | ， | 以 | 身 | 語 | 意 | ， | 造 | 作 | 增 | 長 | 種 | 種 | 惡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 業 | ， | 展 | 轉 | 常 | 為 | 不 | 饒 | 益 | 事 | ， | 互 | 相 | 謀 | 害 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 告 | 召 | 山 | 林 | 樹 | 塚 | 等 | 神 | ； | 殺 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 取 | 其 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 血 | 肉 | 祭 | 祀 | 藥 | 叉 | 、 | 羅 | 剎 | 婆 | 等 | ； | 書 | 怨 | 人 | 名 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 作 | 其 | 形 | 像 | ， | 以 | 惡 | 咒 | 術 | 而 | 咒 | 詛 | 之 | ； | 厭 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 魅 | 蠱 | 道 | ， | 咒 | 起 | 屍 | 鬼 | ， | 令 | 斷 | 彼 | 命 | ， | 及 | 壞 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 其 | 身 | 。 | 是 | 諸 | 有 | 情 | ， | 若 | 得 | 聞 | 此 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 彼 | 諸 | 惡 | 事 | 悉 | 不 | 能 | 害 | ， | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 切 | 展 | 轉 | 皆 | 起 | 慈 | 心 | ， | 利 | 益 | 安 | 樂 | ， | 無 | 損 | 惱 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 意 | 及 | 嫌 | 恨 | 心 | ， | 各 | 各 | 歡 | 悅 | ， | 於 | 自 | 所 | 受 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 喜 | 足 | ， | 不 | 相 | 侵 | 凌 | 互 | 為 | 饒 | 益 | 。 | 』 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 8.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a8)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 若 | 有 | 四 | 眾 | ， | 苾 | 芻 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 苾 | 芻 | 尼 | 、 | 鄔 | 波 | 索 | 迦 | 、 | 鄔 | 波 | 斯 | 迦 | ， | 及 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 餘 | 淨 | 信 | 善 | 男 | 子 | 、 | 善 | 女 | 人 | 等 | ， | 有 | 能 | 受 | 持 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 八 | 分 | 齋 | 戒 | ， | 或 | 經 | 一 | 年 | 、 | 或 | 復 | 三 | 月 | 受 | 持 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 學 | 處 | ， | 以 | 此 | 善 | 根 | ， | 願 | 生 | 西 | 方 | 極 | 樂 | 世 | 界 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 無 | 量 | 壽 | 佛 | 所 | 聽 | 聞 | 正 | 法 | 而 | 未 | 定 | 者 | ， | 若 | 聞 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 臨 | 命 | 終 | 時 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 八 | 大 | 菩 | 薩 | ， | 其 | 名 | 曰 | ： | 南 | 無 | 文 | 殊 | 師 | 利 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | ， | 南 | 無 | 觀 | 世 | 音 | 菩 | 薩 | ， | 南 | 無 | 得 | 大 | 勢 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | ， | 南 | 無 | 無 | 盡 | 意 | 菩 | 薩 | ， | 南 | 無 | 寶 | 檀 | 華 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | ， | 南 | 無 | 藥 | 王 | 菩 | 薩 | ， | 南 | 無 | 藥 | 上 | 菩 | 薩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 南 | 無 | 彌 | 勒 | 菩 | 薩 | 。 | 是 | 八 | 大 | 菩 | 薩 | 乘 | 空 | 而 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 來 | ， | 示 | 其 | 道 | 路 | ， | 即 | 於 | 彼 | 界 | 種 | 種 | 雜 | 色 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 寶 | 華 | 中 | ， | 自 | 然 | 化 | 生 | 。 | 』 | 『 | 或 | 有 | 因 | 此 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | 於 | 天 | 上 | ， | 雖 | 生 | 天 | 上 | ， | 而 | 本 | 善 | 根 | ， | 亦 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 未 | 窮 | 盡 | ， | 不 | 復 | 更 | 生 | 諸 | 餘 | 惡 | 趣 | 。 | 天 | 上 | 壽 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | ， | 還 | 生 | 人 | 間 | ， | 或 | 為 | 輪 | 王 | ， | 統 | 攝 | 四 | 洲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 威 | 德 | 自 | 在 | ， | 安 | 立 | 無 | 量 | 百 | 千 | 有 | 情 | 於 | 十 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 善 | 道 | ； | 或 | 生 | 剎 | 帝 | 利 | 、 | 婆 | 羅 | 門 | 、 | 居 | 士 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 家 | ， | 多 | 饒 | 財 | 寶 | ， | 倉 | 庫 | 盈 | 溢 | ， | 形 | 相 | 端 | 嚴 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 眷 | 屬 | 具 | 足 | ， | 聰 | 明 | 智 | 慧 | ， | 勇 | 健 | 威 | 猛 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 大 | 力 | 士 | 。 | 若 | 是 | 女 | 人 | ， | 得 | 聞 | 世 | 尊 | 藥 | 師 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 至 | 心 | 受 | 持 | ， | 於 | 後 | 不 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 復 | 更 | 受 | 女 | 身 | 。 | 』 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 9.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a9)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 彼 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 來 | 得 | 菩 | 提 | 時 | ， | 由 | 本 | 願 | 力 | ， | 觀 | 諸 | 有 | 情 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 遇 | 眾 | 病 | 苦 | ， | 瘦 | 攣 | 、 | 乾 | 消 | 、 | 黃 | 熱 | 等 | 病 | ； |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 或 | 被 | 厭 | 魅 | 、 | 蠱 | 毒 | 所 | 中 | ； | 或 | 復 | 短 | 命 | ， | 或 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 時 | 橫 | 死 | ； | 欲 | 是 | 等 | 病 | 苦 | 消 | 除 | 所 | 求 | 願 | 滿 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 』 | 『 | 時 | 彼 | 世 | 尊 | ， | 入 | 三 | 摩 | 地 | ， | 名 | 曰 | 除 | 滅 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 切 | 眾 | 生 | 苦 | 惱 | 。 | 既 | 入 | 定 | 已 | ， | 於 | 肉 | 髻 | 中 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 出 | 大 | 光 | 明 | ， | 光 | 中 | 演 | 說 | ， | 大 | 陀 | 羅 | 尼 | 曰 | ： |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 『 | 那 | 謨 | 薄 | 伽 | 筏 | 帝 | ， | 裨 | 殺 | 社 | 窶 | 嚕 | ， | 薛 | 琉 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 璃 | 缽 | 喇 | 婆 | 喝 | 囉 | 闍 | 也 | ， | 怛 | 陀 | 揭 | 多 | 耶 | ， | 阿 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 羅 | 訶 | 帝 | ， | 三 | 藐 | 三 | 勃 | 陀 | 耶 | 。 | 怛 | 姪 | 阤 | 耶 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 怛 | 姪 | 阤 | ： | 唵 | ， | 鞞 | 殺 | 逝 | ， | 鞞 | 殺 | 逝 | ， | 鞞 | 殺 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 社 | ， | 三 | 沒 | 揭 | 帝 | 娑 | 訶 | 』 | 』 | 。 | 爾 | 時 | ， | 光 | 中 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 說 | 此 | 咒 | 已 | ， | 大 | 地 | 震 | 動 | ， | 放 | 大 | 光 | 明 | ， | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 切 | 眾 | 生 | 病 | 苦 | 皆 | 除 | ， | 受 | 安 | 隱 | 樂 | 。 | 『 | 曼 | 殊 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 室 | 利 | ！ | 若 | 見 | 男 | 子 | 、 | 女 | 人 | 有 | 病 | 苦 | 者 | ， | 應 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 當 | 一 | 心 | ， | 為 | 彼 | 病 | 人 | ， | 常 | 清 | 淨 | 澡 | 漱 | ， | 或 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 食 | 、 | 或 | 藥 | 、 | 或 | 無 | 蟲 | 水 | 、 | 咒 | 一 | 百 | 八 | 遍 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 與 | 彼 | 服 | 食 | ， | 所 | 有 | 病 | 苦 | 悉 | 皆 | 消 | 滅 | 。 | 若 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 求 | ， | 志 | 心 | 念 | 誦 | ， | 皆 | 得 | 如 | 是 | 無 | 病 | 延 | 年 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ； | 命 | 終 | 之 | 後 | ， | 生 | 彼 | 世 | 界 | ， | 得 | 不 | 退 | 轉 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 乃 | 至 | 菩 | 提 | 。 | 是 | 故 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 若 | 有 | 男 | 子 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 女 | 人 | ， | 於 | 彼 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | ， | 至 | 心 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 殷 | 重 | ， | 恭 | 敬 | 供 | 養 | 者 | ， | 常 | 持 | 此 | 咒 | ， | 勿 | 令 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 廢 | 忘 | 。 | 』 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 10.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a10)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 若 | 有 | 淨 | 信 | 男 | 子 | 女 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 人 | ， | 得 | 聞 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 應 | 正 | 等 | 覺 | 所 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 名 | 號 | ， | 聞 | 已 | 誦 | 持 | 。 | 晨 | 嚼 | 齒 | 木 | ， | 澡 | 漱 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 清 | 淨 | ， | 以 | 諸 | 香 | 花 | ， | 燒 | 香 | 、 | 塗 | 香 | ， | 作 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 伎 | 樂 | ， | 供 | 養 | 形 | 象 | 。 | 於 | 此 | 經 | 典 | ， | 若 | 自 | 書 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 若 | 教 | 人 | 書 | ， | 一 | 心 | 受 | 持 | ， | 聽 | 聞 | 其 | 義 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 彼 | 法 | 師 | ， | 應 | 修 | 供 | 養 | ： | 一 | 切 | 所 | 有 | 資 | 身 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 之 | 具 | ， | 悉 | 皆 | 施 | 與 | ， | 勿 | 令 | 乏 | 少 | 。 | 如 | 是 | 便 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 蒙 | 諸 | 佛 | 護 | 念 | ， | 所 | 求 | 願 | 滿 | ， | 乃 | 至 | 菩 | 提 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 』 | 爾 | 時 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | 童 | 子 | 白 | 佛 | 言 | ： | 『 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 尊 | ！ | 我 | 當 | 誓 | 於 | 像 | 法 | 轉 | 時 | ， | 以 | 種 | 種 | 方 | 便 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 令 | 諸 | 淨 | 信 | 善 | 男 | 子 | 、 | 善 | 女 | 人 | 等 | ， | 得 | 聞 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 乃 | 至 | 睡 | 中 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 亦 | 以 | 佛 | 名 | 覺 | 悟 | 其 | 耳 | 。 | 世 | 尊 | ！ | 若 | 於 | 此 | 經 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 受 | 持 | 讀 | 誦 | 。 | 或 | 復 | 為 | 他 | 演 | 說 | 開 | 示 | ； | 若 | 自 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 書 | 、 | 若 | 教 | 人 | 書 | ； | 恭 | 敬 | 尊 | 重 | ， | 以 | 種 | 種 | 華 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 香 | 、 | 塗 | 香 | 、 | 末 | 香 | 、 | 燒 | 香 | 、 | 花 | 鬘 | 、 | 瓔 | 珞 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 幡 | 蓋 | 、 | 伎 | 樂 | ， | 而 | 為 | 供 | 養 | ； | 以 | 五 | 色 | 綵 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 作 | 囊 | 盛 | 之 | ； | 掃 | 灑 | 淨 | 處 | ， | 敷 | 設 | 高 | 座 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 而 | 用 | 安 | 處 | 。 | 爾 | 時 | ， | 四 | 大 | 天 | 王 | 與 | 其 | 眷 | 屬 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 及 | 餘 | 無 | 量 | 百 | 千 | 天 | 眾 | ， | 皆 | 詣 | 其 | 所 | ， | 供 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 養 | 守 | 護 | 。 | 世 | 尊 | ！ | 若 | 此 | 經 | 寶 | 流 | 行 | 之 | 處 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 能 | 受 | 持 | ， | 以 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 本 | 願 | 功 | 德 | ， | 及 | 聞 | 名 | 號 | ， | 當 | 知 | 是 | 處 | 無 | 復 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 橫 | 死 | ； | 亦 | 復 | 不 | 為 | 諸 | 惡 | 鬼 | 神 | 奪 | 其 | 精 | 氣 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 設 | 已 | 奪 | 者 | ， | 還 | 得 | 如 | 故 | ， | 身 | 心 | 安 | 樂 | 。 | 』 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 11.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a11)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 佛 | 告 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ： | 『 | 如 | 是 | ！ | 如 | 是 | ！ | 如 | 汝 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 說 | 。 | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 若 | 有 | 淨 | 信 | 善 | 男 | 子 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 善 | 女 | 人 | 等 | ， | 欲 | 供 | 養 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 來 | 者 | ， | 應 | 先 | 造 | 立 | 彼 | 佛 | 形 | 像 | ， | 敷 | 清 | 淨 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 座 | 而 | 安 | 處 | 之 | 。 | 散 | 種 | 種 | 花 | ， | 燒 | 種 | 種 | 香 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 以 | 種 | 種 | 幢 | 幡 | 莊 | 嚴 | 其 | 處 | 。 | 七 | 日 | 七 | 夜 | ， | 受 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 八 | 分 | 齋 | 戒 | ， | 食 | 清 | 淨 | 食 | ， | 澡 | 浴 | 香 | 潔 | ， | 著 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 清 | 淨 | 衣 | ， | 應 | 生 | 無 | 垢 | 濁 | 心 | ， | 無 | 怒 | 害 | 心 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 一 | 切 | 有 | 情 | 起 | 利 | 益 | 安 | 樂 | ， | 慈 | 、 | 悲 | 、 | 喜 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 捨 | 平 | 等 | 之 | 心 | ， | 鼓 | 樂 | 歌 | 讚 | ， | 右 | 遶 | 佛 | 像 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 復 | 應 | 念 | 彼 | 如 | 來 | 本 | 願 | 功 | 德 | ， | 讀 | 誦 | 此 | 經 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 思 | 惟 | 其 | 義 | ， | 演 | 說 | 開 | 示 | 。 | 』 | 『 | 隨 | 所 | 樂 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 求 | ， | 一 | 切 | 皆 | 遂 | ： | 求 | 長 | 壽 | ， | 得 | 長 | 壽 | ， | 求 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 富 | 饒 | ， | 得 | 富 | 饒 | ， | 求 | 官 | 位 | 得 | 官 | 位 | ， | 求 | 男 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 女 | 得 | 男 | 女 | 。 | 』 | 『 | 若 | 復 | 有 | 人 | ， | 忽 | 得 | 惡 | 夢 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 見 | 諸 | 惡 | 相 | ； | 或 | 怪 | 鳥 | 來 | 集 | ； | 或 | 於 | 住 | 處 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 百 | 怪 | 出 | 現 | 。 | 此 | 人 | 若 | 以 | 眾 | 妙 | 資 | 具 | ， | 恭 | 敬 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 供 | 養 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 者 | ， | 惡 | 夢 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 惡 | 相 | 諸 | 不 | 吉 | 祥 | ， | 皆 | 悉 | 隱 | 沒 | ， | 不 | 能 | 為 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 患 | 。 | 』 | 『 | 或 | 有 | 水 | 、 | 火 | 、 | 刀 | 、 | 毒 | 、 | 懸 | 險 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 惡 | 象 | 、 | 師 | 子 | 、 | 虎 | 、 | 狼 | 、 | 熊 | 、 | 羆 | 、 | 毒 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 蛇 | 、 | 惡 | 蠍 | 、 | 蜈 | 蚣 | 、 | 蚰 | 蜒 | 、 | 蚊 | 、 | 虻 | 等 | 佈 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ； | 若 | 能 | 至 | 心 | 憶 | 念 | 彼 | 佛 | ， | 恭 | 敬 | 供 | 養 | ， | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 切 | 怖 | 畏 | 皆 | 得 | 解 | 脫 | 。 | 』 | 『 | 若 | 他 | 國 | 侵 | 擾 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盜 | 賊 | 反 | 亂 | ， | 憶 | 念 | 恭 | 敬 | 彼 | 如 | 來 | 者 | ， | 亦 | 皆 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 解 | 脫 | 。 | 』 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 12.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a12)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 『 | 復 | 次 | ， | 曼 | 殊 | 室 | 利 | ！ | 若 | 有 | 淨 | 信 | 善 | 男 | 子 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 善 | 女 | 人 | 等 | ， | 乃 | 至 | 盡 | 形 | 不 | 事 | 餘 | 天 | ， | 唯 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 當 | 一 | 心 | ， | 歸 | 佛 | 法 | 僧 | ， | 受 | 持 | 禁 | 戒 | ： | 若 | 五 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 戒 | 、 | 十 | 戒 | ， | 菩 | 薩 | 四 | 百 | 戒 | 、 | 苾 | 芻 | 二 | 百 | 五 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 十 | 戒 | ， | 比 | 丘 | 尼 | 五 | 百 | 戒 | 。 | 於 | 所 | 受 | 中 | 或 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 毀 | 犯 | ， | 怖 | 墮 | 惡 | 趣 | ， | 若 | 能 | 專 | 念 | 彼 | 佛 | 名 | 號 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 恭 | 敬 | 供 | 養 | 者 | ， | 必 | 定 | 不 | 受 | 三 | 惡 | 趣 | 生 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 』 | 『 | 或 | 有 | 女 | 人 | ， | 臨 | 當 | 產 | 時 | ， | 受 | 於 | 極 | 苦 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ； | 若 | 能 | 志 | 心 | 稱 | 名 | 禮 | 讚 | ， | 恭 | 敬 | 供 | 養 | 彼 | 如 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 來 | 者 | ， | 眾 | 苦 | 皆 | 除 | 。 | 所 | 生 | 之 | 子 | ， | 身 | 分 | 具 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 足 | ， | 形 | 色 | 端 | 正 | ， | 見 | 者 | 歡 | 喜 | ， | 利 | 根 | 聰 | 明 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 安 | 隱 | 少 | 病 | ， | 無 | 有 | 非 | 人 | ， | 奪 | 其 | 精 | 氣 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 』 | 爾 | 時 | ， | 世 | 尊 | 告 | 阿 | 難 | 言 | ： | 『 | 如 | 我 | 稱 | 揚 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 所 | 有 | 功 | 德 | ， | 此 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 是 | 諸 | 佛 | 甚 | 深 | 行 | 處 | ， | 難 | 可 | 解 | 了 | ， | 汝 | 為 | 信 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 不 | ？ | 』 | 阿 | 難 | 白 | 言 | ： | 『 | 大 | 德 | 世 | 尊 | ！ | 我 | 於 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 來 | 所 | 說 | 契 | 經 | 不 | 生 | 疑 | 惑 | ， | 所 | 以 | 者 | 何 | ？ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 切 | 如 | 來 | 身 | 語 | 意 | 業 | 無 | 不 | 清 | 淨 | 。 | 世 | 尊 | ！ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 日 | 月 | 輪 | 可 | 令 | 墮 | 落 | ， | 妙 | 高 | 山 | 王 | 可 | 使 | 傾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 動 | ， | 諸 | 佛 | 所 | 言 | 無 | 有 | 異 | 也 | 。 | 』 | 『 | 世 | 尊 | ！ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 信 | 根 | 不 | 具 | ， | 聞 | 說 | 諸 | 佛 | 甚 | 深 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 行 | 處 | ， | 作 | 是 | 思 | 惟 | ： | 云 | 何 | 但 | 念 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 光 | 如 | 來 | 一 | 佛 | 名 | 號 | ， | 便 | 獲 | 爾 | 所 | 功 | 德 | 勝 | 利 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ？ | 由 | 此 | 不 | 信 | ， | 返 | 生 | 誹 | 謗 | 。 | 彼 | 於 | 長 | 夜 | 失 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 大 | 利 | 樂 | ， | 墮 | 諸 | 惡 | 趣 | ， | 流 | 轉 | 無 | 窮 | ！ | 』 |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 13.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a13)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 佛 | 告 | 阿 | 難 | ： | 『 | 是 | 諸 | 有 | 情 | 若 | 聞 | 世 | 尊 | 藥 | 師 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 至 | 心 | 受 | 持 | ， | 不 | 生 | 疑 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 惑 | ， | 墮 | 惡 | 趣 | 者 | 無 | 有 | 是 | 處 | 。 | 』 | 『 | 阿 | 難 | ！ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 是 | 諸 | 佛 | 甚 | 深 | 所 | 行 | ， | 難 | 可 | 信 | 解 | ； | 汝 | 今 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 能 | 受 | ， | 當 | 知 | 皆 | 是 | 如 | 來 | 威 | 力 | 。 | 阿 | 難 | ！ | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 切 | 聲 | 聞 | 、 | 獨 | 覺 | ， | 及 | 未 | 登 | 地 | 諸 | 菩 | 薩 | 等 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 皆 | 悉 | 不 | 能 | 如 | 實 | 信 | 解 | ， | 唯 | 除 | 一 | 生 | 所 | 繫 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | 。 | 阿 | 難 | ！ | 人 | 身 | 難 | 得 | ； | 於 | 三 | 寶 | 中 | ， | 信 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 敬 | 尊 | 重 | ， | 亦 | 難 | 可 | 得 | ； | 聞 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 復 | 難 | 於 | 是 | 。 | 』 | 『 | 阿 | 難 | ！ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 彼 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | ， | 無 | 量 | 菩 | 薩 | 行 | ， | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 量 | 善 | 巧 | 方 | 便 | ， | 無 | 量 | 廣 | 大 | 願 | ； | 我 | 若 | 一 | 劫 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 若 | 一 | 劫 | 餘 | 而 | 廣 | 說 | 者 | ， | 劫 | 可 | 速 | 盡 | ， | 彼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 佛 | 行 | 願 | ， | 善 | 巧 | 方 | 便 | 無 | 有 | 盡 | 也 | ！ | 』 | 爾 | 時 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 眾 | 中 | ， | 有 | 一 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ， | 名 | 曰 | 救 | 脫 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 即 | 從 | 座 | 起 | ， | 偏 | 袒 | 一 | 肩 | ， | 右 | 膝 | 著 | 地 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 曲 | 躬 | 合 | 掌 | 而 | 白 | 佛 | 言 | ： | 『 | 大 | 德 | 世 | 尊 | ！ | 像 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 法 | 轉 | 時 | ， | 有 | 諸 | 眾 | 生 | 為 | 種 | 種 | 患 | 之 | 所 | 困 | 厄 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 長 | 病 | 贏 | 瘦 | ， | 不 | 能 | 飲 | 食 | ， | 喉 | 脣 | 乾 | 燥 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 見 | 諸 | 方 | 暗 | ， | 死 | 相 | 現 | 則 | ， | 父 | 母 | 、 | 親 | 屬 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 朋 | 友 | 、 | 知 | 識 | 啼 | 泣 | 圍 | 繞 | ； | 然 | 彼 | 自 | 身 | 臥 | 在 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 本 | 處 | ， | 見 | 琰 | 魔 | 使 | ， | 引 | 其 | 神 | 識 | 至 | 於 | 琰 | 魔 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 法 | 王 | 之 | 前 | 。 | 然 | 諸 | 有 | 情 | ， | 有 | 俱 | 生 | 神 | ， | 隨 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 其 | 所 | 作 | 若 | 罪 | 若 | 福 | ， | 皆 | 具 | 書 | 之 | ， | 盡 | 持 | 授 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 與 | 琰 | 魔 | 法 | 王 | 。 | 爾 | 時 | ， | 彼 | 王 | 推 | 問 | 其 | 人 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 計 | 算 | 所 | 作 | ， | 隨 | 其 | 罪 | 福 | 而 | 處 | 斷 | 之 | 。 | 時 | 彼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 病 | 人 | ， | 親 | 屬 | 、 | 知 | 識 | ， | 若 | 能 | 為 | 彼 | 歸 | 依 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | ， | 請 | 諸 | 眾 | 僧 | ， | 轉 | 讀 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 經 | ， | 然 | 七 | 層 | 之 | 燈 | ， | 懸 | 五 | 色 | 續 | 命 | 神 | 旛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 或 | 有 | 是 | 處 | 彼 | 識 | 得 | 還 | ， | 如 | 在 | 夢 | 中 | 明 | 了 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 自 | 見 | 。 | 或 | 經 | 七 | 日 | ， | 或 | 二 | 十 | 一 | 日 | ， | 或 | 三 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 十 | 五 | 日 | ， | 或 | 四 | 十 | 九 | 日 | ， | 彼 | 識 | 還 | 時 | ， | 如 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 從 | 夢 | 覺 | ， | 皆 | 自 | 憶 | 知 | 善 | 不 | 善 | 業 | 所 | 得 | 果 | 報 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ； | 由 | 自 | 證 | 見 | 業 | 果 | 報 | 故 | ， | 乃 | 至 | 命 | 難 | ， | 亦 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 不 | 造 | 作 | 諸 | 惡 | 之 | 業 | 。 | 是 | 故 | 淨 | 信 | 善 | 男 | 子 | 善 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 女 | 人 | 等 | ， | 皆 | 應 | 受 | 持 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 號 | ， | 隨 | 力 | 所 | 能 | ， | 恭 | 敬 | 供 | 養 | 。 | 』 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 14.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a14)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 爾 | 時 | ， | 阿 | 難 | 問 | 救 | 脫 | 菩 | 薩 | 曰 | ： | 『 | 善 | 男 | 子 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ！ | 應 | 云 | 何 | 恭 | 敬 | 供 | 養 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 來 | ？ | 續 | 命 | 旛 | 燈 | 復 | 云 | 何 | 造 | 』 | ？ | 救 | 脫 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | 言 | ： | 『 | 大 | 德 | ！ | 若 | 有 | 病 | 人 | ， | 欲 | 脫 | 病 | 苦 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 當 | 為 | 其 | 人 | ， | 七 | 日 | 七 | 夜 | 受 | 持 | 八 | 分 | 齋 | 戒 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 應 | 以 | 飲 | 食 | 及 | 餘 | 資 | 具 | ， | 隨 | 力 | 所 | 辦 | ， | 供 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 養 | 苾 | 芻 | 僧 | 。 | 晝 | 夜 | 六 | 時 | ， | 禮 | 拜 | 行 | 道 | ， | 供 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 養 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 。 | 讀 | 誦 | 此 | 經 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 四 | 十 | 九 | 遍 | ， | 然 | 四 | 十 | 九 | 燈 | ； | 造 | 彼 | 如 | 來 | 形 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 像 | 七 | 軀 | ， | 一 | 一 | 像 | 前 | 各 | 置 | 七 | 燈 | ， | 一 | 一 | 燈 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 量 | 大 | 如 | 車 | 輪 | ， | 乃 | 至 | 四 | 十 | 九 | 日 | 光 | 明 | 不 | 絕 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 造 | 五 | 色 | 綵 | 旛 | ， | 長 | 四 | 十 | 九 | 傑 | 手 | ， | 應 | 放 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 雜 | 類 | 眾 | 生 | 至 | 四 | 十 | 九 | ， | 可 | 得 | 過 | 度 | 危 | 厄 | 之 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 難 | ， | 不 | 為 | 諸 | 橫 | 惡 | 鬼 | 所 | 持 | 。 | 』 | 『 | 復 | 次 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 阿 | 難 | ！ | 若 | 剎 | 帝 | 利 | 、 | 灌 | 頂 | 王 | 等 | ， | 災 | 難 | 起 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 時 | ， | 所 | 謂 | ： | 人 | 眾 | 疾 | 疫 | 難 | ， | 他 | 國 | 侵 | 逼 | 難 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 自 | 界 | 叛 | 逆 | 難 | ， | 星 | 宿 | 變 | 怪 | 難 | ， | 日 | 月 | 薄 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 蝕 | 難 | ， | 非 | 時 | 風 | 雨 | 難 | ， | 過 | 時 | 不 | 雨 | 難 | 。 | 彼 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 剎 | 帝 | 利 | 灌 | 頂 | 王 | 等 | ， | 爾 | 時 | 應 | 於 | 一 | 切 | 有 | 情 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 起 | 慈 | 悲 | 心 | ， | 赦 | 諸 | 繫 | 閉 | 。 | 依 | 前 | 所 | 說 | 供 | 養 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 之 | 法 | ， | 供 | 養 | 彼 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 由 | 此 | 善 | 根 | 及 | 彼 | 如 | 來 | 本 | 願 | 力 | 故 | ， | 令 | 其 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 國 | 界 | 即 | 得 | 安 | 隱 | ， | 風 | 雨 | 順 | 時 | ， | 穀 | 稼 | 成 | 熟 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 一 | 切 | 有 | 情 | 無 | 病 | 歡 | 樂 | 。 | 於 | 其 | 國 | 中 | ， | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 暴 | 惡 | 藥 | 叉 | 等 | 神 | 惱 | 有 | 情 | 者 | ， | 一 | 切 | 惡 | 相 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 皆 | 即 | 隱 | 沒 | ； | 而 | 剎 | 帝 | 利 | 灌 | 頂 | 王 | 等 | 壽 | 命 | 色 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 力 | ， | 無 | 病 | 自 | 在 | ， | 皆 | 得 | 增 | 益 | 。 | 』 | 『 | 阿 | 難 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 若 | 帝 | 后 | 、 | 妃 | 主 | ， | 儲 | 君 | 、 | 王 | 子 | ， | 大 | 臣 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 輔 | 相 | ， | 中 | 宮 | 、 | 綵 | 女 | ， | 百 | 官 | 、 | 黎 | 庶 | ， | 為 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 病 | 所 | 苦 | ， | 及 | 餘 | 厄 | 難 | ； | 亦 | 應 | 造 | 立 | 五 | 色 | 神 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 旛 | ， | 然 | 燈 | 續 | 明 | ， | 放 | 諸 | 生 | 命 | ， | 散 | 雜 | 色 | 花 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 燒 | 眾 | 名 | 香 | ； | 病 | 得 | 除 | 愈 | ， | 眾 | 難 | 解 | 脫 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 』 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 15.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a15)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1. **v** | 爾 | 時 | ， | 阿 | 難 | 問 | 救 | 脫 | 菩 | 薩 | 曰 | ： | 『 | 善 | 男 | 子 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ！ | 云 | 何 | 已 | 盡 | 之 | 命 | 而 | 可 | 增 | 益 | ？ | 』 | 救 | 脫 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 薩 | 言 | ： | 『 | 大 | 德 | ！ | 汝 | 豈 | 不 | 聞 | 如 | 來 | 說 | 有 | 九 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 橫 | 死 | 耶 | ？ | 是 | 故 | 勸 | 造 | 續 | 命 | 旛 | 燈 | ， | 修 | 諸 | 福 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 德 | ， | 以 | 修 | 福 | 故 | ， | 盡 | 其 | 壽 | 命 | 不 | 經 | 苦 | 患 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 』 | 阿 | 難 | 問 | 言 | ： | 『 | 九 | 橫 | 云 | 何 | ？ | 』 | 救 | 脫 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 薩 | 言 | ： | 『 | 若 | 諸 | 有 | 情 | ， | 得 | 病 | 雖 | 輕 | ， | 然 | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 醫 | 藥 | 及 | 看 | 病 | 者 | ， | 設 | 復 | 遇 | 醫 | ， | 授 | 以 | 非 | 藥 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 實 | 不 | 應 | 死 | 而 | 便 | 橫 | 死 | 。 | 又 | 信 | 世 | 間 | 邪 | 魔 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 、 | 外 | 道 | 妖 | 孽 | 之 | 師 | 妄 | 說 | 禍 | 福 | ， | 便 | 生 | 恐 | 動 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 心 | 不 | 自 | 正 | ， | 卜 | 問 | 覓 | 禍 | ， | 殺 | 種 | 種 | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 解 | 奏 | 神 | 明 | ， | 呼 | 諸 | 魍 | 魎 | ， | 請 | 乞 | 福 | 祐 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 欲 | 冀 | 延 | 年 | ， | 終 | 不 | 能 | 得 | 。 | 愚 | 癡 | 迷 | 惑 | ， | 信 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 邪 | 倒 | 見 | ， | 遂 | 令 | 橫 | 死 | 入 | 於 | 地 | 獄 | ， | 無 | 有 | 出 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 期 | ， | 是 | 名 | 初 | 橫 | 。 | 二 | 者 | 、 | 橫 | 被 | 王 | 法 | 之 | 所 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 誅 | 戮 | 。 | 三 | 者 | 、 | 畋 | 獵 | 嬉 | 戲 | ， | 耽 | 淫 | 嗜 | 酒 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 放 | 逸 | 無 | 度 | ， | 橫 | 為 | 非 | 人 | 奪 | 其 | 精 | 氣 | 。 | 四 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 、 | 橫 | 為 | 火 | 焚 | 。 | 五 | 者 | 、 | 橫 | 為 | 水 | 溺 | 。 | 六 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 、 | 橫 | 為 | 種 | 種 | 惡 | 獸 | 所 | 噉 | 。 | 七 | 者 | 、 | 橫 | 墮 | 山 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 崖 | 。 | 八 | 者 | 、 | 橫 | 為 | 毒 | 藥 | 、 | 厭 | 禱 | 、 | 咒 | 詛 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 起 | 屍 | 鬼 | 等 | 之 | 所 | 中 | 害 | 。 | 九 | 者 | 、 | 饑 | 渴 | 所 | 困 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 不 | 得 | 飲 | 食 | 而 | 便 | 橫 | 死 | 。 | 是 | 為 | 如 | 來 | 略 | 說 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 橫 | 死 | ， | 有 | 此 | 九 | 種 | ， | 其 | 餘 | 復 | 有 | 無 | 量 | 諸 | 橫 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 難 | 可 | 具 | 說 | ！ | 』 | 『 | 復 | 次 | ， | 阿 | 難 | ！ | 彼 | 琰 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 魔 | 王 | 主 | 領 | 世 | 間 | 名 | 籍 | 之 | 記 | ， | 若 | 諸 | 有 | 情 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 不 | 孝 | 五 | 逆 | ， | 破 | 辱 | 三 | 寶 | ， | 壞 | 君 | 臣 | 法 | ， | 毀 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 於 | 性 | 戒 | ， | 琰 | 魔 | 法 | 王 | 隨 | 罪 | 輕 | 重 | ， | 考 | 而 | 罰 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 之 | 。 | 是 | 故 | 我 | 今 | 勸 | 諸 | 有 | 情 | ， | 然 | 燈 | 造 | 旛 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 放 | 生 | 修 | 福 | ， | 令 | 度 | 苦 | 厄 | ， | 不 | 遭 | 眾 | 難 | 。 | 』 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 16.[(本段白話註解)](../law-book/藥師本願經講記.docx#a15)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1. **v** | 爾 | 時 | ， | 眾 | 中 | 有 | 十 | 二 | 藥 | 叉 | 大 | 將 | ， | 俱 | 在 | 會 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 坐 | ， | 所 | 謂 | ： | 宮 | 毗 | 羅 | 大 | 將 | ， | 伐 | 折 | 羅 | 大 | 將 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 迷 | 企 | 羅 | 大 | 將 | ， | 安 | 底 | 羅 | 大 | 將 | ， | 頞 | 你 | 羅 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 大 | 將 | ， | 珊 | 底 | 羅 | 大 | 將 | ， | 因 | 達 | 羅 | 大 | 將 | ， | 波 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 夷 | 羅 | 大 | 將 | ， | 摩 | 虎 | 羅 | 大 | 將 | ， | 真 | 達 | 羅 | 大 | 將 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 招 | 杜 | 羅 | 大 | 將 | ， | 毘 | 羯 | 魔 | 大 | 將 | ， | 此 | 十 | 二 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 藥 | 叉 | 大 | 將 | ， | 一 | 一 | 各 | 有 | 七 | 千 | 藥 | 叉 | ， | 以 | 為 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 眷 | 屬 | 。 | 同 | 時 | 舉 | 聲 | 白 | 佛 | 言 | ： | 『 | 世 | 尊 | ！ | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 等 | 今 | 者 | 蒙 | 佛 | 威 | 力 | ， | 得 | 聞 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | ， | 不 | 復 | 更 | 有 | 惡 | 趣 | 之 | 怖 | 。 | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 等 | 相 | 率 | ， | 皆 | 同 | 一 | 心 | ， | 乃 | 至 | 盡 | 形 | 歸 | 佛 | 法 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 僧 | ， | 誓 | 當 | 荷 | 負 | 一 | 切 | 有 | 情 | ， | 為 | 作 | 義 | 利 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 饒 | 益 | 安 | 樂 | 。 | 隨 | 於 | 何 | 等 | 村 | 城 | 圍 | 邑 | ， | 空 | 閑 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 林 | 中 | ， | 若 | 有 | 流 | 布 | 此 | 經 | ， | 或 | 復 | 受 | 持 | 藥 | 師 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 琉 | 璃 | 光 | 如 | 來 | 名 | 號 | 恭 | 敬 | 供 | 養 | 者 | ， | 我 | 等 | 眷 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 屬 | 衛 | 護 | 是 | 人 | ， | 皆 | 使 | 解 | 脫 | 一 | 切 | 苦 | 難 | ， | 諸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 有 | 願 | 求 | 悉 | 令 | 滿 | 足 | 。 | 或 | 有 | 疾 | 厄 | 求 | 度 | 脫 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 亦 | 應 | 讀 | 誦 | 此 | 經 | ， | 以 | 五 | 色 | 縷 | ， | 結 | 我 | 名 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 字 | ， | 得 | 如 | 願 | 已 | ， | 然 | 後 | 解 | 結 | 。 | 』 | 爾 | 時 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 世 | 尊 | 讚 | 諸 | 藥 | 叉 | 大 | 將 | 言 | ： | 『 | 善 | 哉 | ！ | 善 | 哉 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ！ | 大 | 藥 | 叉 | 將 | ！ | 汝 | 等 | 念 | 報 | 世 | 尊 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 光 | 如 | 來 | 恩 | 德 | 者 | ， | 常 | 應 | 如 | 是 | 利 | 益 | 安 | 樂 | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 切 | 有 | 情 | 。 | 』 | 爾 | 時 | ， | 阿 | 難 | 白 | 佛 | 言 | ： | 『 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 尊 | ！ | 當 | 何 | 名 | 此 | 法 | 門 | ？ | 我 | 等 | 云 | 何 | 奉 | 持 | ？ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 』 | 佛 | 告 | 阿 | 難 | ： | 『 | 此 | 法 | 門 | 名 | 說 | 藥 | 師 | 琉 | 璃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 光 | 如 | 來 | 本 | 願 | 功 | 德 | ； | 亦 | 名 | 說 | 十 | 二 | 神 | 將 | 饒 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 益 | 有 | 情 | 結 | 願 | 神 | 咒 | ； | 亦 | 名 | 拔 | 除 | 一 | 切 | 業 | 障 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ； | 應 | 如 | 是 | 持 | ！ | 』 | 時 | 薄 | 伽 | 梵 | ， | 說 | 是 | 語 | 已 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | ， | 諸 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ， | 及 | 大 | 聲 | 聞 | ， | 國 | 王 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 大 | 臣 | 、 | 婆 | 羅 | 門 | 、 | 居 | 士 | 、 | 天 | 龍 | 、 | 藥 | 叉 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 健 | 達 | 縛 | 、 | 阿 | 素 | 洛 | 、 | 揭 | 路 | 荼 | 、 | 緊 | 捺 | 洛 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 莫 | 呼 | 洛 | 伽 | 、 | 人 | 、 | 非 | 人 | 等 | 一 | 切 | 大 | 眾 | ， | 聞 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 佛 | 所 | 說 | ， | 皆 | 大 | 歡 | 喜 | ， | 信 | 受 | 奉 | 行 | 。 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |